Dr. Sangita Kumari Saha
B.A D-II (H) IIIrd paper.

Continue.

Dysthymic Disorder.

डायस्थायमिक विकृति एक ऐसा विषादी विकृति है जिसे Unipolar disorder में रखा गया है। यह एक हल्का तथा व्यक्ति के समायोजी शक्ति को कम प्रभावित करने वाला विकृति है। डायस्थायमिया एक ग्रीक शब्द है जिसका अर्थ होता है दोषपूर्ण या खराब मनोदशा। इसी शब्द से dysthymic बना है।

डायस्थाइमिक विकृति वैसी विषादी विकृति है जिसका स्वरूप चिरकालिक होता है। अर्थात जिसमें विषादी लक्षण गत कई वर्षों से पाये जाते हैं। किसी भी विषादी विकृति को डायस्थायमिक विकृति कहलाने के लिए यह आवश्यक है कि विषादी मनोदशा या आनन्द तथा अभिरुचि में कमी, गत कई वर्षों से व्यक्ति में मौजूद हो हालांकि बीच-बीच में कभी-कभी यह संभव है कि चंद दिनों के लिए व्यक्ति की मनोदशा सामान्य हो जाए। ऐसे लोग लगभग पूरे दिन भर विषादी प्रकृति से जुझते रहते हैं और इनमें निम्नांकित में से कम से कम दो समस्याएँ निश्चित तौर पर पायी जाती हैं — खाना खाने संबंधी कठिनाइयाँ जैसे बहुत अधिक नींद आना या बहुत कम नींद आना, सतत थकान बना रहना। निर्णय लेने में या एकाग्रता दिखाने में कठिनाई निराशा का भाव, अपने बारे में निम्न विचार आदि प्रमुख हैं।

इस विकृति की अवधि 2 से 20 वर्ष तक होता है। Keller (1990) के अनुसार इसका माध्य का अवधि करीब 5 वर्षों का होता है। यह 18 साल से 64 साल साल के व्यक्तियों में स्पष्ट रूप से देखने को मिलता है तथा उसके बाद इसका प्रभाव कमता जाता है। डायस्थायमिक विकृति किसी भी अन्य मनोदशा विकृति के साथ-साथ उत्पन्न हो सकता है परन्तु यह मुख्य विषाद के साथ होते पाया गया है।

अगर डायस्थायमिक विकृति के रोगी में मुख्य विषाद के भी लक्षण विकसित हो जाते हैं, तो उसे double depression कहा जाता है क्योंकि ऐसी परिस्थिति में इन दोनों विकृतियों के लक्षण मौजूद रहते हैं।

Ajanta PRODUCTS Oxford

Scanned with CamScanner

Keller (1990) के अध्ययन के अनुसार double depression की अवस्था व्यक्तियों में प्रायः होते देखी जाती है। डायस्थाइमिक विकृति की शुरुआत बाल्यावस्था से आरम्भिक वयस्कावस्था में कभी भी हो सकता है। डायस्थाइमिक विकृति के क्षेत्र में कई अध्ययन किए गए हैं जिनसे यह पता चलता है कि इस विकृति वाले व्यक्ति जैविक रूप से Depression से संबंधित होता है। Howland & Thase (1991) के अध्ययन के अनुसार ऐसे लोगों में मुख्य विषाद होने का जोखिम काफी अधिक बना रहता है। डायस्थाइमिक विकृति के रोगियों में rapid eye movement नींद की लम्बी अवधि भी पायी जाती है।

Main Symptoms of Dysthymic disorder

(1) खाना खाने संबंधी कठिनाई
(2) नींद अधिक या फिर कम नींद आना
(3) हमेशा थकान बना रहना
(4) निर्णय करने में असमर्थ होना
(5) एकाग्रता में कमी
(6) निराशा का भाव
(7) अपने बारे में निम्न विचार
(8) काम काज में मन नहीं लगना

—v—

Scanned with CamScanner